

तंबाकू की खेती और खाद्य असुरक्षा

प्रलिस के लयि:

[वशिव सवासथय संगठन \(WHO\), तंबाकू, खाद्य और कृषिसंगठन, तंबाकू नयितरण पर फरेमवरक कनवेंशन, वशिव खाद्य कार्यक्रम, वशिव तंबाकू नषिध दविस, इलेक्ट्रॉनिक सगिरेट अधयादेश के नषिध का प्रचार, 2019](#)

मेन्स के लयि:

वैश्विक खाद्य संकट पर तंबाकू की खेती का प्रभाव

चर्चा में क्यों?

[वशिव सवासथय संगठन \(World Health Organization- WHO\)](#) ने [तंबाकू की खेती](#) के बजाय [खाद्य उत्पादन को प्राथमकता देने की तत्काल आवश्यकता](#) पर प्रकाश डालते हुए एक नई रपौरट जारी की है।

- रपौरट में इस बात पर बल दिया गया है कविवशिव भर में लगभग **349 मलियन लोग वर्तमान में गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं**, जबकि **मूल्यवान उपजाऊ भूमि पर तंबाकू की खेती का वर्चस्व** है। अपनी फसलों को प्रतस्थापति करने के प्रयासों में तंबाकू उद्योग का हस्तकषेप [वैश्विक खाद्य संकट](#) में वृद्धिकर रहा है।
- साथ ही हर साल 31 मई को मनाया जाने वाला [वशिव तंबाकू नषिध दविस \(World No Tobacco Day\)](#) वैश्विक तंबाकू महामारी के खलिाफ चल रहे अभयान की याद दलिाता है। वर्ष 2023 के लयि इस दविस की थीम है **“खाद्य उगाएँ, तंबाकू नहीं”(Grow food, not tobacco)**।

नोट: खाद्य असुरक्षा एक ऐसी स्थिति को संदरभति करती है जहाँ वयक्तयों या समुदायों के पासपर्याप्त, सुरक्षति और पोषटकि भोजन की वशिवसनीय उपलब्धता, पहुँच, सामर्थ्य नहीं है जो कएक सक्रयि और स्वस्थ जीवन के लयि उनकी आहार संबंधी जरूरतों और प्राथमकताओं को पूरा करता है।

तंबाकू की खेती से संबंधति वैश्विक खाद्य संकट:

- भूमि उपयोग प्रतयिगति:** खाद्य उत्पादन और तंबाकू की खेती दोनों के लयि भूमि की आवश्यकता होती है।
 - तंबाकू की खेती **124 से अधिक देशों में प्रचलति** है, जो महत्त्वपूर्ण कृषि भूमि पर कब्जा कर रही है इस भूमि का उपयोग खाद्य उत्पादन के लयि कयिा जा सकता है।
 - कृषि योग्य भूमि के लयि यह प्रतयिगति खाद्य उत्पादन को सीमति कर सकती है तथा वैश्विक खाद्य संकट को और अधिक बढ़ा सकती है, वशिषकर उन कषेत्रों में जहाँ खाद्य सुरक्षा पहले से ही एक चुनौती है।
 - [संयुक्त राषट्र खाद्य और कृषिसंगठन \(FAO\)](#) भी वशिव भर के वभिन्न कषेत्रों में बढ़ती खाद्य असुरक्षा की चेतावनी दे रहा है।
- संसाधन वचिलन:** तंबाकू की खेती के लयि **जल, उर्वरक और श्रम** सहति महत्त्वपूर्ण मात्रा में संसाधनों की आवश्यकता होती है।
 - तंबाकू उत्पादन के लयि इन संसाधनों के वचिलन के परणामस्वरूप खाद्य फसलों की सीमति उपलब्धता हो सकती है, जसिसेकृषि उत्पादकता और भोजन की कमी हो सकती है।
- वत्तितीय प्रभाव:** तंबाकू की खेती **कसिानों के लयि आर्थिक रूप से लाभदायक** हो सकती है जसिसे वे खाद्य फसलों की तुलना में तंबाकू की खेती को प्राथमकता देते हैं।
 - तंबाकू जैसी नकदी फसलों के लयि यह वरीयता प्रधान **खाद्य फसलें उगाने के प्रोत्साहन को कम** कर सकती है जो भूख और खाद्य सुरक्षा चतिाओं को दूर करने के लयि आवश्यक है।
- पर्यावरणीय प्रभाव:** तंबाकू की खेती के तरीकों के प्रतकिल पर्यावरणीय प्रभाव हो सकते हैं।
 - वनो की कटाई, मुदा कषरण और जल प्रदूषण** प्रायः तंबाकू की खेती से संबंधति होते हैं। ये पर्यावरणीय प्रभाव स्थायी खाद्य उत्पादन के लयि आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता को और अधिक प्रभावति कर सकते हैं।
- स्वास्थ्य परणाम:** तंबाकू का उपयोग एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चतिा है जसिसे दुनयिा भर में कई बीमारयिों और अकाल मृत्यु की घटनाएँ होती

हैं। तंबाकू की खेती किसानों के लिये गंभीर स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न करती है जिसमें [क्रीटनाशकों](#) के संपर्क में आना तथा त्वचा के माध्यम से निकोटीन का अवशोषण शामिल है।

- तंबाकू से संबंधित बीमारियों के स्वास्थ्य संबंधी परिणाम अप्रत्यक्ष रूप से खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं:
 - उत्पादक श्रमबल की संख्या में कमी लाकर
 - स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर अतिरिक्त बोझ डालकर
 - संसाधनों को भोजन/खाद्य से संबंधित पहलों से दूर करके
- **वशिव स्वास्थ्य संगठन** के अनुसार, तंबाकू का उपयोग **प्रत्येक वर्ष 8 मिलियन** से अधिक लोगों की मृत्यु का कारण बनता है और लाखों लोग अप्रत्यक्ष रूप से इसके धुएँ के संपर्क में आते हैं।

नोट: निकोटीन तंबाकू के पौधे (निकोटियाना टैबैकम) और नाइटशेड प्रजातों के कुछ अन्य पौधों की पत्तियों में पाया जाने वाला एक रासायनिक यौगिक है। यह **अल्कलॉइड** है जो शामक और उत्तेजक दोनों है।

भारत में तंबाकू की खपत

■ स्थिति:

- तंबाकू का उपयोग कई **गैर-संचारी रोगों** जैसे- कैंसर, हृदय रोग, **मधुमेह** और पुरानी फेफड़ों की बीमारियों के लिये एक प्रमुख जोखिम कारक के रूप में जाना जाता है। **भारत में लगभग 27% कैंसर तंबाकू के उपयोग के कारण होता है।**
 - **चीन के बाद भारत** तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक भी है।
- **ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे इंडिया 2016-17** के अनुसार, **भारत में लगभग 267 मिलियन वयस्क (15 वर्ष और उससे अधिक) (सभी वयस्कों का 29%)** तंबाकू का उपभोग करते हैं।

■ तंबाकू पर नयितरण के लिये भारतीय पहल:

- **ई-सिगरेट नषिध अध्यादेश, 2019** की घोषणा **ई-सिगरेट के उत्पादन, निर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण, भंडारण और वजिजापन पर रोक** लगाती है।
- **भारत सरकार ने नेशनल टोबैको कवटिलाइन सर्वेसिज़ (NTQLS)** की शुरुआत की, जिसका एकमात्र उद्देश्य तंबाकू की समाप्ति के लिये टेलीफोन आधारित सूचना, सलाह, समर्थन और रेफरल प्रदान करना है।
- भारत के केंद्रीय वित्त मंत्री ने **बजट 2023-24** में सिगरेट पर **राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक शुल्क (NCCD)** में **16%** की वृद्धि की घोषणा की।
- **केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय** ने स्ट्रीम सामग्री के दौरान तंबाकू से संबंधित स्वास्थ्य चेतावनी प्रदर्शित करने के लिये **ओवर-द-टॉप (OTT) प्लेटफॉर्मों** की आवश्यकता वाले नए नयिमों की घोषणा की है।
 - OTT प्लेटफॉर्म को तंबाकू उत्पादों या उनके उपयोग को प्रदर्शित करने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत और मध्य में तंबाकू वरीधी स्वास्थ्य स्पॉट संलग्न करना चाहिये।
 - भारत में टेलीविज़न एवं फिलिमों के लिये हेल्थ स्पॉट और तंबाकू से संबंधित चेतावनियाँ पहले से ही अनविर्य हैं।

तंबाकू की कृषिको संबोधित करने हेतु WHO द्वारा किये गए कार्य:

- WHO **तंबाकू नयितरण पर फरेमवरक अभिसमय (WHO-FCTC)** के महत्त्व पर जोर देता है, जो तंबाकू की खपत एवं इसके प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से पहला अंतरराष्ट्रीय समझौता है।
- WHO ने तंबाकू मुक्त कृषिपिहल शुरू करने के लिये **संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषिसंगठन (FAO)** तथा **वशिव खाद्य कार्यक्रम (WFP)** के साथ भागीदारी की है, जिसका उद्देश्य केन्या और जाम्बिया जैसे देशों में किसानों को वैकल्पिक फसलों की खेती के लिये माइक्रोक्रेडिट ऋण, ज्ञान एवं प्रशिक्षण के माध्यम से सहायता प्रदान करना है।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)